Curriculum and Credit Framework
As per NEP 2020

For

(To be effective from the Academic Session)

UNDER- GRADUATE PROGRAMME HINDI
(Single Major)
Gurugram University, Gurugram

(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Page No. 1 - 103.

बी.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

बी.ए. (हिंदी) एक स्नातक स्तरीय अध्ययन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा सामाजिक सरोकारों की गहन समझ और व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में भाषिक दक्षता, साहित्यिक संवेदनशीलता, आलोचनात्मक दृष्टि तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं, भाषिक अध्ययन, सांस्कृतिक परंपराओं तथा समकालीन सामाजिक विषयों का व्यवस्थित अध्ययन कराया जाता है। साथ ही, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की प्रकृति, उद्देश्य, विषय-वस्तु, अध्ययन क्षेत्रों एवं भविष्य की संभावनाओं से संबंधित विस्तृत एवं सुव्यवस्थित जानकारी प्रदान की जाती है, ताकि वे इस कार्यक्रम को सरल, स्पष्ट एवं सारगर्भित रूप में समझ सकें।

बी.ए. (हिंदी) उद्देश्य

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग एक बहुआयामी एवं सक्रिय शैक्षणिक संकाय के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा की बढ़ती उपयोगिता और महत्ता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा, साहित्य, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों तथा मानवीय संवेदनाओं से समृद्ध करना है। विभाग विद्यार्थियों के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विभाग में कार्यरत प्राध्यापकगण समर्पित, अनुभवी एवं विद्वान शिक्षाविद् हैं, जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ उनकी रुचियों, व्यक्तित्व विकास तथा भविष्य उन्मुख योजनाओं के निर्माण में भी व्यक्तिगत रूप से सहयोग प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रमीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक, सृजनात्मक एवं व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाने पर विशेष बल दिया जाता है।

हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं हिंदी को रोजगारोन्मुखी बनाने की दृष्टि से तैयार की गई है। इसमें व्यावसायिक एवं संचार कौशल, अनुवाद, व्यक्तित्व विकास, अभिव्यक्ति कौशल, पत्रकारिता, सृजनात्मक लेखन, भाषा विज्ञान तथा कार्यालयी हिंदी जैसे विषयों को विशेष महत्व दिया गया है। हिंदी विषय में स्नातक करने के पश्चात विद्यार्थी शिक्षण, प्रशिक्षण, जनसंचार, संवाद लेखन, अनुवाद, लोक प्रशासन, राजभाषा तथा अन्य अनेक आकर्षक क्षेत्रों में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है' तथा 'सतत् विकास' की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए विभाग निरंतर विविध अकादमिक, सांस्कृतिक एवं शोधपरक गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। विभाग द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान, शोध प्रवृत्तियों एवं समकालीन विमर्शों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।

1. Programme Educational Objectives

PEO	Description
PEO-1	छात्र हिंदी मे व्याकरण का शुद्ध मौखिक एवं लिखित संप्रेषण कर सकेंगे।
PEO-2	छात्र हिंदी साहित्य के आदिकाल से आधुनिक काल तक के इतिहास और उसकी प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
PEO-3	छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	इस प्रोग्राम द्वारा विद्यार्थी के करियर में उन्नति हो सकती हैं।
PO-2	इस प्रोग्राम के बाद विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के योग्य हो जाता हैं।
PO-3	विद्यार्थी अपने विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
PO-4	विद्यार्थी विषय का गहन अध्ययन कर विषय का विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकता हैं।
PO-5	यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को भविष्य में आत्मनिर्भर बना सकता हैं।
PO-6	विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य के विकासक्रम, उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों, काव्यधाराओं तथा प्रतिनिधि कवियों के साहित्यिक योगदान का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा।
PO-7	विद्यार्थी भाषाशास्त्र की अवधारणाओं ,हिंदी भाषा और उसके विकास को समझेंगे।
PO-8	विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कथा की विशेषताओं तथा उसमें निहित छोटी-छोटी संवेदनाओं को समझ पाएंगे और व्याकरण का भाषा में मानक प्रयोग कर पाएंगे।

3. Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले विद्यार्थी हिंदी भाषा की साहित्यिक एवं भाषा विज्ञान संबंधी विशेषताओं से पूर्ण परिचित हो सकेंगे।
PSO-2	विद्यार्थी प्राचीन काल के सामाजिक मानवीय मूल्यों को हिंदी भाषा के माध्यम से समझ सकेंगे।
PSO-3	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर विश्व स्तर पर हिंदी भाषा को सर्वोत्तम स्थान दिला सकेंगे।
PSO-4	हिंदी भाषा को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावहारिक पटल पर भी उपयोगी बनाया गया है।
PSO-5	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी परास्नातक हिंदी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे।

Scheme of Programme
(Scheme UG A2: Undergraduate Programmes ,Single Major)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
						Core Course(s)								
CC-A1	हिंदी नाटक	240/HIN/CC 101	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A2	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	240/HIN/CC 102	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A3	राष्ट्रीय काव्यधारा	240/HIN/CC 103	3	1		3	1		4	30	70			100
						Minor/ Vocational Course(s)								
MIC-1	हिंदी भाषा एवं व्यावहारिक व्याकरण	240/HIN/MI 101	1	1		1	1		2	15	35			50
						Multidisciplinary Course(s)								
MDC-1	हिंदी भाषा और लिपि	240/HIN/MD 101	2	1		2	1		3	25	50			75
						Ability Enhancement Course(s)								
AEC-1	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -1	240/HIN/AE 101	1	1		1	1		2	15	35			50
						Skill Enhancement Course(s)								
SEC-1	रेडियो लेखन	240/HIN/SE 101	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75
						Value-added Course(s)								
VAC-1	हिंदी साहित्य एवं नैतिकता	240/HIN/VA 101	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									24					600

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	हिंदी उपन्यास	240/HIN/CC2 04	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A5	कंप्यूटर और हिंदी भाषा	240/HIN/CC2 05	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A6	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	240/HIN/CC2 06	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-2	राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	240/HIN/MI2 02	1	1		1	1		2	15	35			50
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-2	सोशल मीडिया और हिंदी	240/HIN/MD 202	2	1		2	1		3	25	50			75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-2	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -2	240/HIN/AE2 02	1	1		1	1		2	15	35			50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-2	हिंदी भाषा और विज्ञापन	240/HIN/SE2 02	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75
Value-added Course(s)														
VAC-2	पर्यावरण और हिंदी साहित्य	240/HIN/VA2 02	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									24					600

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
					Core Course(s)									
CC-A7	मध्यकालीन हिंदी कविता	240/HIN/CC 307	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A8	कहानी साहित्य	240/HIN/CC 308	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A9	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	240/HIN/CC 309	3	1		3	1		4	30	70			100
					Minor/ Vocational Course(s)									
MIC-3	व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	240/HIN/MI3 03	3	1		3	1		4	30	70			100
MDC-3	हिंदी भाषा और रोजगार	240/HIN/MD 303	2	1		2	1		3	25	50			75
					Ability Enhancement Course(s)									
AEC-3	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -3	240/HIN/AE 303	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									21					525

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
					Core Course(s)									
CC-A10	काव्यांग परिचय	240/HIN/CC4 10	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A11	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC4 11	3	1		3	1		4	30	70			100

CC-A12	हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज ,अवधी और हरियाणवी	240/HIN/CC412	3	1		3	1		4	30	70			100
							Minor/ Vocational Course(s)							
MIC4/ VOC-1	हिंदी के प्रमुख संस्थाएं एवं पत्र पत्रिकाएं/ ब्लॉग लेखन एवम कंटेंट लेखन	240/HIN/MI404 240/HIN/VO401	3	1		3	1		4	30	70			100
							Ability Enhancement Course(s)							
AEC-4	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण -4	240/HIN/AE404	1	1		1	1		2	15	35			50
							Value-added Course(s)							
VAC-3	रामचरित मानस में मानवीय मूल्य	240/HIN/VA403	1	1		1	1		2	15	35			50
Total Credits									**20**					**500**

#Four credits of internship earned by a student during summer internship after 2nd semester or 4th semester will be counted in 5th semester of a student who pursue 3 year UG Programmes without taking exit option.

Semester 5

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
							Core Course(s)							
CC-A13	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	240/HIN/CC513	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A14	निबंध साहित्य	240/HIN/CC514	3	1		3	1		4	30	70			100

CC-A15	विशिष्ट लेखक: उपन्यासकार प्रेमचंद , नाटककार जयशंकर प्रसाद, निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल	240/HIN/CC515	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-5/ VOC-2	मीडिया और मानवाधिकार/ प्रूफ रीडिंग	240/HIN/MI505 240/HIN/VO502	3	1		3	1		4	30	70			100
Internship														
Internship				2	2				4			30	70	100
Total Credits									20					500

<u>**Semester 6**</u>

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A16	निबंध लेखन	240/HIN/CC616	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A17	विशिष्ट कवि :कबीरदास, सूरदास ,बिहारी ,निराला, अज्ञेय	240/HIN/CC617	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A18	हिंदी का सर्जनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप	240/HIN/CC618	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC6/ VOC - 3	जनसंचार माध्यम और तकनीक / ध्वनि कार्यक्रम निर्माण	240/HIN/MI606 240/HIN/VO603	3	1		3	1		4	30	70			100

मुकेश कुमारी

VOC - 4	फिल्म अध्ययन	240/HIN/VO604	3	1		3	1		4	30	70			100
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-3	पत्रकारिता	240/HIN/SE603	2	1		2	1		3	15	35	5	20	75
Total Credits									**23**					**575**

Nature of Work	Course Credits	Contact hours per week	Contact hours per semester (15 weeks)
Lecture	01	01	15
Tutorial per paper	01	01	15
Practical, Seminar, Internship, field practice/project, or community engagement, etc.	01	02	30

Courses	Total Credits	L	T	P	MARKS			
		(Credits)	(Credits)	(Credits)	TI	TE	PI	PE
Only Theory	4	3 (3 hrs)	1	-	30	70	-	-
	3	2 (2 hrs)	1	-	25	50	-	-
	2	1	1	-	15	35	-	-
Theory and Practicum	4	3 (3 hrs)	-	1(2 hrs)	25	50	5	20
	4 (Where pract. is dominant)	2 (2 hrs)	-	2(4 hrs)	15	35	15	35
	3	2 (2 hrs)	-	1 (2 hrs)	15	35	5	20
	2	1	-	1 (2 hrs)	5	20	5	20
When Practicum is separate course	2	-	-	2 (4 hrs)	-	-	15	35
	3	-	-	3 (6 hrs)	-	-	25	50
	4	-	-	4 (8 hrs)	-	-	30	70
AEC/VAC	2	2 (2 hrs)			15	35	-	-
SEC	3	2 (2 hrs)		1 (2 hrs)	15	35	5	20
	2	1		1 (2 hrs)	5	20	5	20
DSE	4	3 (3 hrs)		1 (2 hrs)	25	50	5	20
Minor/VOC	4	2 (2 hrs)		2 (4 hrs)	15	35	15	35
Internship	4	--	--	4 (8 hrs)			30	70

Note: Tutorial batch size (UG programme: 20-25, PG Programme: 12-15)
The distribution of credits among the lectures/tutorial/practicum will be as follows:
L= Lecture; T= Tutorial, P= Practicum; Ti= Theory Internal Assessment; TE= Theory End Semester Examination; PI= Practicum Internal; PE= Practicum End Semester examination

Scheme Of Programme 2024-2025 (Gurugram University)

Scheme UG-A 2: Under- Graduate Programmes (Single Major) HINDI HONS

सेमेस्टर – 1

CCA1-हिंदी नाटक

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A1	हिंदी नाटक	240/HIN/CC101

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
नाटक की सैधांतिक अवधारणा को समझना।
प्रमुख नाटकों और नाटककारों की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्सबंधों को समझना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
नाटकों के इतिहास से परिचित कराना।
नाटकों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम -

इकाई -1 पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक से व्याख्या
'मिस्टर अभिमन्यु' : लक्ष्मी नारायणलाल
इकाई 2 – पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक से व्याख्या
शम्बूक : जगदीश गुप्त
इकाई -3
1) 'मिस्टर अभिमन्यु' नामकरण की सार्थकता
2) 'मिस्टर अभिमन्यु' में राष्ट्रवादी भावना
3) 'मिस्टर अभिमन्यु' की पात्र - योजना
4) 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
5) 'मिस्टर अभिमन्यु' की अभिनेयता
6) लक्ष्मी नारायणलाल का साहित्यिक परिचय

मुकेश कुमारी

इकाई -4

1) 'शम्बूक' का प्रतिपाद्य
2) 'शम्बूक' की पात्र – योजना
3) 'शम्बूक' का काव्य- रूप
4) 'शम्बूक' की प्रासंगिकता
5) जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

संदर्भ पुस्तकें :

1. 'मिस्टर अभिमन्यु' , लक्ष्मी नारायणलाल , नैशनल पब्लिशिंग हाउस
2. शम्बूक , जगदीश गुप्त

निर्देश

1. इकाई 1 और इकाई 2 मे से आंतरिक विकल्प के साथ तीन -तीन अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल 6 अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
2. इकाई 3 और इकाई 4 से कोई पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक नाटक से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा।पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 1
CC-A2-भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC- A2	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	240/HIN/CC102

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित करना।
भाषा की विशेषताओं और उसके उपयोग का विश्लेषण।
पाठ्यक्रम परिणाम:
भाषा और उसके प्रयोग की दक्षता का विकास होगा।
भाषा संबंधी विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान होगा।

पाठ्यक्रम -
इकाई- 1

- भाषा की परिभाषा
- भाषा की प्रकृति
- भाषा की व्यवहारिक व्यवस्था
- भाषा - अध्ययन की दिशाएं

इकाई- 2

- पश्चिमी हिंदी की बोलियों (ब्रज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली) का परिचय
- पूर्वी हिंदी की बोलियों (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) का परिचय
- मानक हिंदी की विशेषताएं

मुकेश कुमारी

इकाई-3

- हिंदी स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
- हिंदी शब्दों का वर्गीकरण
- हिंदी वर्तनी
- हिंदी पद , पद-भेद और समस्त पद
- अर्थ परिभाषा, शब्द-अर्थ-संबंध एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएं

इकाई-4

- नागरी लिपि का वर्तमान स्वरूप
- नागरी लिपि की विशेषताएं
- नागरी लिपि का मानकीकरण

संदर्भ पुस्तकें :

1. भाषा विज्ञान और मानक हिंदी, डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन।
2. भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास, डॉ. नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी।
3. भाषा विज्ञान, डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन।
4. हिंदी भाषा, डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल।
5. हिंदी भाषा का इतिहास,डॉ. धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तान अकादमी ।
6. हिंदी उपभोग, विकास और रूप,डॉ.हरदेव बिहारी, किताब महल।
7. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन।
8. नागरी लिपि, डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा |

2. पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर - 1
राष्ट्रीय काव्यधारा

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A3	राष्ट्रीय काव्यधारा	240/HIN/CC103

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
आधुनिक हिंदी काव्यधारा का विश्लेषणात्मक ज्ञान कराना।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:
आधुनिक हिंदी राष्ट्र काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित हो पाएगी।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करेंगे।

पाठ्यक्रम-

इकाई 1 : राष्ट्रीय काव्यधारा की पृष्ठभूमि
राष्ट्रीय काव्यधारा की अवधारणा एवं महत्व

इकाई 2:
मैथिलीशरण गुप्त- भारत-भारती , साकेत (नवम सर्ग)
रामचरित उपाध्याय- राष्ट्रभारती, भारत भक्ति
माखनलाल चतुर्वेदी- कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा

इकाई 3 :
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'- विप्लव गान, ओ मजदूर किसान उठो
रामधारी सिंह 'दिनकर'- कुरुक्षेत्र, जनतंत्र का जन्म

इकाई 4 :
पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का साहित्यिक परिचय
पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के अभिव्यक्गित सौष्ठव पर आलोचनात्मक प्रश्न
पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं की अनुभूतिगत वैशिष्ट्य पर आलोचनात्मक प्रश्न

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें:

1. राष्ट्रीय काव्यधारा "संपादक डॉ. कन्हैया सिंह(वाणी प्रकाशन) नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास ,बच्चन सिंह
3. हिंदी साहित्य का इतिहास ,रामचंद्र शुक्ल
4. आधुनिक हिंदी काव्य , नंददुलारे वाजपेयी
5. राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त, नगेन्द्र
6. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व ,मैथिलीशरण गुप्त पर आधारित आलोचनात्मक ग्रंथ।
7. माखनलाल चतुर्वेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व ,माखनलाल चतुर्वेदी
8. दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय चेतना ,रामधारी सिंह 'दिनकर' पर आधारित अध्ययन।
9. दिनकर : सृष्टि और दृष्टि ,रामविलास शर्मा
10. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : व्यक्तित्व और काव्य ,बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

निर्देश:-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से चार काव्यांश दिए जाएंगे| विद्यार्थी को किन्हीं दो की व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा |
2. दिए गए पाठ्यक्रम में पांच प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को उनमें से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का होगा| इसके लिए 21 अंक निर्धारित है|
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों का 200 शब्दों में उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक होंगे| इसके लिए 16 अंक निर्धारित है|
4. निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम से रचनाकारों के साहित्यिक परिचय से तीन प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना और प्रत्येक प्रश्न के लिए 6-6 अंक निर्धारित है| कुल 12 अंक निर्धारित है|
5. निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना होगा| इसके लिए 9 अंक निश्चित है| इसमें कोई विकल्प नहीं होगा|

सेमेस्टर -2

CCA4- हिंदी उपन्यास

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A4	हिंदी उपन्यास	240/HIN/CC204

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

उपन्यास की अवधारणा को समझना|

प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

उपन्यास के इतिहास से परिचित हो पाएंगे।

उपन्यासों के माध्यम से समाज और उसकी संरचना को समझ पाएंगे|

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास से व्याख्या

त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार

इकाई 2 : पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास से व्याख्या

सूरज का सातवां घोड़ा - धर्मवीर भारती

इकाई 3 :

1.'त्यागपत्र' का मूल प्रतिपाद्य

2.'त्यागपत्र' की पात्र- योजना

3.'त्यागपत्र' की प्रासंगिकता

4.जैनेंद्र कुमार का साहित्यिक परिचय

5. त्यागपत्र की उपन्यास- कला

इकाई 4 :

1.'सूरज का सातवां घोड़ा' का उद्देश्य

2.'सूरज का सातवां घोड़ा' की पात्र - योजना

3.'सूरज का सातवां घोड़ा' नामकरण की सार्थकता

4.'सूरज का सातवां घोड़ा' की उपन्यास कला
5.धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

संदर्भ पुस्तकें :

1. त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
2. सूरज का सातवां घोड़ा - धर्मवीर भारती

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों में से आंतरिक विकल्प के साथ तीन-तीन अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगें। कुल 6 अवतरणों में से परीक्षार्थी को प्रत्येक उपन्यास में से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से निर्दिष्ट विषयों में से कोई पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा | पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठयक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा।

सेमेस्टर – 2
CCA5-कंप्यूटर और हिंदी भाषा

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A5	कंप्यूटर और हिंदी भाषा	240/HIN/CC205

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
यह एक व्यवसायिक कोर्स है, जो सम्प्रेषण और कौशल विकसित करेगा।
इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटर ज्ञान में प्रशिक्षित करना है।
पाठ्यक्रम परिणाम : -
विद्यार्थियों को कंप्यूटर ज्ञान में दक्ष और सम्प्रेषण कौशल का विकास हो पाएगा।
छात्रों को कंप्यूटर संचालन में दक्षता और तकनीकी ज्ञान प्राप्त होगा।

पाठ्यक्रम :
इकाई 1 : कंप्यूटर का विकास और हिंदी

- कंप्यूटर का परिचय और विकास
- कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास
- हिंदी के विविध फ़ॉन्ट
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियां और समस्त संभावनाएं

इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इंटरनेट पर हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी वेबसाइट

इकाई 3 : हिंदी भाषा कंप्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रचार के रूप में कंप्यूटर की भूमिका

- ई गवर्नेंस , इंटरनेट
- हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग

इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर के विविध आयाम

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र पत्रिकाएं
- एसएमएस की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी और कंप्यूटर , डॉ. हरिमोहन
2. कंप्यूटर और हिंदी भाषा ,डॉ. सुरेश कुमार
3. हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी ,डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4. हिंदी और नई मीडिया ,डॉ. नरेश मिश्र
5. ई-गवर्नेंस और हिंदी, डॉ. प्रेमशंकर

निर्देश:-

1.पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|

2.पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा|

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

Jasmiyan Minj सुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 2

CCA6-हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A6	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	240/HIN/CC206

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना ।

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

विद्यार्थी साहित्यिक इतिहास ग्रंथों का अध्ययन कर पाएंगे।

हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास -

- हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई 2 : आदिकाल -

- आदिकाल का नामकरण
- आदिकालीन हिंदी कविता का परिवेश
- आदिकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियां
- रासो काव्य परंपरा
- अमीर खुसरो की हिंदी कविता

इकाई 3 : भक्तिकाल -

- भक्तिकाल का परिचय

- निर्गुण काव्य परंपरा और प्रवृतियां
- सूफी काव्य परंपरा और प्रवृत्तियां
- कृष्ण काव्य परंपरा और प्रवृतियां
- राम काव्य परंपरा और प्रवृत्तियां
- भक्तिकाल की उपलब्धियां

इकाई 4 : रीतिकाल -

- रीतिकाल का नामकरण
- रीतिकाल की पृष्ठभूमि
- रीतिकाव्य की प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त)
- रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

निर्देश:-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|

2. पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा|

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 3

CCA7- मध्यकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A7	मध्यकालीन हिंदी कविता	240/HIN/CC307

पाठयक्रम उद्देश्य : -
मध्यकालीन हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना |
मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना |

पाठयक्रम परिणाम:-
मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित हो पाएगी |
मध्यकालीन हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन कर पाएंगे |

पाठयक्रम :

इकाई 1 : भक्तिकालीन काव्य :-
कबीरदास (सं. - हजारी प्रसाद द्विवेदी) - पद संख्या 160-190
सूरदास – भ्रमरगीत सार – (सं. - रामचंद्र शुक्ल) - पद संख्या 21-51
तुलसीदास – रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) - पद संख्या 1- 30

इकाई 2: पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :
1) कबीर का समाज सुधारक रूप
2) कबीर की भक्तिभावना
3) सूरदास का वात्सल्य वर्णन
4) सूरदास का वियोग श्रृंगार
5) तुलसी का समन्वयवाद
6) तुलसी की सार्थकता

मुकेश कुमारी

इकाई 3 : रीतिकालीन काव्य:-

1) बिहारी (सं जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1-30
2) भूषण ग्रंथावली (सं विश्वनाथ मिश्र)- पद संख्या 1-30
3) घनानन्द कवित्त (सं विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या 1-30

इकाई 4 :

1) बिहारी की बहुज्ञता
2) बिहारी का काव्य वैशिष्ट्य
3) घनानन्द का प्रेम निरूपण
4) घनानन्द के काव्य का कलापक्ष
5) भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
6) भूषण युग प्रवर्तक कवि

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास , डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल ,डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास , डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास , डॉ. नगेन्द्र

निर्देश:-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन काव्य और रीतिकालीन काव्य में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे , जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक इकाई में से (भक्तिकालीन काव्य और रीतिकालीन काव्य) से दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से 5 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा

3. इकाई 2 और इकाई 4 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुउत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर-3
CCA8-कहानी साहित्य

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A8	कहानी साहित्य	240/HIN/CC308

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

कहानियों के माध्यम से समाज और संस्कृति की जानकारी देना।
कहानियों के माध्यम से छात्र को समाज से जोड़ना।

पाठ्यक्रम परिणाम -

कहानियों के माध्यम से समाज के संबंधों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।
कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो पाएगा।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1: पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियां –

1) शतरंज के खिलाड़ी - प्रेमचंद
2) जाहनवी- जैनेंद्र
3) डाची – अश्क
4) परिंदे- निर्मल वर्मा
5) कस्बे का आदमी – कमलेश्वर
6) खेल-खिलौने, राजेंद्र यादव
7) अमृतसर आ गया- भीष्म साहनी

इकाई 2: पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियां-

1) बहिर्गमन- ज्ञान रंजन
2) आपकी छोटी लड़की- ममता कालिया
3) त्रिशंकु - मन्नू भंडारी
4) अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह
5) अतिथि देवो भव - अब्दुल्ला बिस्मिल्लाह:
6) मलबा - मंजुल भगत
7) प्रमोशन - ओमप्रकाश वाल्मीकि

मुकेश कुमारी

इकाई 3 :-

निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय , निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना

इकाई 4 :

निर्धारित कहानियों के पात्रों का चरित्र चित्रण , कहानी कला

संदर्भ पुस्तक :

प्रतिनिधि कहानियां, संपादक डॉ. रोहिणी अग्रवाल

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को चार अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 आलोचनात्मक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठयक्रम से 9 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 3
CCA9-हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A9	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	240/HIN/CC209

पाठयक्रम उद्देश्य :
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना ।
इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
पाठयक्रम परिणाम:
साहित्य इतिहास के विभिन्न ग्रंथों का अध्ययन करेंगे ।
हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

पाठयक्रम:

इकाई 1 : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
1) आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
2) भारतेंदु युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
3) द्विवेदी युगीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां
4) छायावाद की.प्रवृत्तियां

इकाई 2 : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
1) प्रगतिवाद की प्रवृत्तियां
2) प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां
3) नई कविता की प्रवृत्तियां
4) समकालीन कविता की प्रवृत्तियां

इकाई 3 : आधुनिक काल में गद्य विधाओ का परिचयात्मक विकास
1) हिंदी नाटक: उद्भव और विकास
2) हिंदी एकांकी: उद्भव और विकास

मुकेश कुमारी

3) हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास
4) हिंदी कहानी :उद्भव और विकास

इकाई 4 : आधुनिक काल में गद्य विधाओ का परिचयात्मक विकास

1) हिंदी निबंध: उद्भव और विकास
2) हिंदी आत्मकथा ;उद्भव और विकास
3) हिंदी जीवनी : :उद्भव और विकास

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास , डॉ. नगेंद्र
3. आधुनिक हिंदी काव्य , डॉ. रामविलास शर्मा
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गणपति चंद्र गुप्त
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास, डॉ. नामवर सिंह
6. हिंदी कहानी का विकास, डॉ. रामविलास शर्मा
7. हिंदी नाटक और रंगमंच– डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

निर्देश:

1.पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|

2.पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा|

3.पूरे पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर- 4
CC-A10-काव्यांग परिचय

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A10	काव्यांग परिचय	240/HIN/CC410

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
काव्य के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।
हिंदी काव्यांगो के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:
हिंदी काव्यांगो के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।
हिंदी काव्यांगो के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेगें।

पाठयक्रम

इकाई 1 – काव्य के विविध रूप

1) महाकाव्य 2) खंडकाव्य 3) गीतिकाव्य

इकाई 2 - विविध गद्य विधाएं

1) उपन्यास
2) कहानी
3) नाटक
4) निबंध

इकाई 3 - काव्यशास्त्रीय विवेचन

1) **रस :** रस का स्वरूप , रस के अवयव , रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय
2) **अलंकार :** अलंकार का स्वरूप,अलंकार का महत्व, अलंकार वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का उदाहरण परिचय- अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति , समासोक्ति, अतिशयोक्ति, संदेह, विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण

मुकेश कुमारी

इकाई 4 - काव्यशास्त्रीय विवेचन

1) **छंद** : छंद का स्वरूप, छंद का वर्गीकरण, प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय- दोहा, चौपाई, बरवै, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, सवैया, घनाक्षरी, स्वच्छंद तथा मुक्तक छंद
2) **काव्य गुण**: परिभाषा और स्वरूप, काव्य गुण के भेद- प्रसाद, माधुर्य , ओजगुण
3) **शब्द शक्तियाँ:** परिभाषा, स्वरूप एवं भेद- अभिधा,लक्षणा और व्यंजना

संदर्भ पुस्तकें :

1. काव्यांग विवेचन , डॉ. भागीरथी मिश्र और डॉ. बलभद्र तिवारी
2. काव्यांग विवेचन , डॉ. बी.आर. पनेरू
3. भारतीय काव्य शास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन , डॉ. सभापति मिश्र

निर्देश:

1.पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|

2.पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा|

3.पूरे पाठ्यक्रम में 8 अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

सुरेन्द्र कुमारी

सेमेस्टर – 4

CCA11-आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A11	आधुनिक हिंदी कविता	240/HIN/CC411

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना |

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान कराना |

पाठ्यक्रम परिणाम :

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित हो पाएगी।

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1- छायावादी हिंदी कविता : निर्धारित कवि और उनकी कविताएं

1) **जयशंकर प्रसाद-** हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, बीती विभावरी जाग री, मेरे नाविक, आह! वेदना मिली विदाई, सौंदर्य|
2) **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** - भारती वंदना, बसंत आ गया है, जागो फिर एक बार, बादल राग , गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया |
3) **सुमित्रानंदन पंत** – तप रे ! ताज द्रुत झरो, यह धरती कितना देती है|
4) **महादेवी वर्मा** - धीरे-धीरे उतर क्षितिज, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पथ होने दो अपरिचित, जब यह दीप थके, यह मंदिर का दीप|

इकाई 2- छायावादोत्तर हिंदी कविता - निर्धारित कवि और उनकी कविताएं

1)**सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** – आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूंद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, हिरोशिमा, सोनमछली, नदी के द्वीप

2)**धर्मवीर भारती -** नवंबर की दोपहर, उत्तर नहीं है, संक्रांति ,निर्माण योजना, टूटा पहिया

3)**नागार्जुन-** प्रतिबद्ध हूं, वह दंतुरित मुस्कान, सोनिया समंदर , अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य

मुकेश कुमारी

4)दुष्यंत कुमार –"कहाँ तो तय था चराग़ाँ हर एक घर के लिये..."
"कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं..."
"ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा..."
"भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ..."
"आज सड़कों पर लिखे हैं सैकड़ों नारे न देख..."
"बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं..."

5)कुंवर नारायण- चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, जब आदमी- नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, पुनश्च

इकाई 3 : छायावादी हिंदी कविता: पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य संवेदना तथा अभिव्यक्ति कौशल

इकाई 4 : छायावादोत्तर हिंदी कविता: पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य संवेदना तथा अभिव्यक्ति कौशल

संदर्भ पुस्तक :

आधुनिक काव्य प्रत्यय (छायावादी हिंदी कविता और छायावादोत्तर हिंदी कविता)

-संपादक डॉक्टर रामसजन पांडे, प्रकाशक- खाटू श्याम प्रकाशन,वर्ष 1276/4, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टॉकीज, रोहतक

निर्देश :

1. इकाई 1 और इकाई 2 में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सुकेश कुमारी

सेमेस्टर- 4

CC-A12-हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज, अवधी और हरियाणवी

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A12	हिंदी का मौखिक साहित्य विशेष संदर्भ: ब्रज ,अवधी और हरियाणवी	240/HIN/CC412

पाठ्क्रम उद्देश्य :
हिंदी के मौखिक साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना ।
हिंदी के विस्तृत लोक साहित्य का अध्ययन व ज्ञान देना।
पाठयक्रम परिणाम :
हिंदी के मौखिक साहित्य से परम्परा, प्रथाओं और अतीत से परिचित हो सकेंगे।
छात्र लोक साहित्य के प्रति रूचि का विकास कर सकेंगे।

पाठयक्रम :

इकाई 1 - मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध - लोक साहित्य के विविध रूप- लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा , लोकनाट्य, लोकोक्तियां

इकाई 2 - पहेलियां, बुझौवल और मुहावरे, हिंदी क्षेत्र की जनपदीय बोलियां और उनका साहित्य (सामान्य परिचय)
मौखिक समाज
हरियाणवी लोकगीत, वाचिक और मुद्रित
हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य (शंकर लाल यादव)

इकाई 3 - प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं, आल्हा, सारंग।

इकाई 4 - लोकनाट्य,विभिन्न विधाएं व शैलियां- विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्य रूप और बोलियां, रामलीला, मालवा का माच, राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. लोक साहित्य और संस्कृति , डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. हरियाणा का लोक साहित्य , शंकर लाल यादव
4. हिंदी की जनपदीय बोलियाँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. भारतीय लोककथाएं , डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
6. आल्हा खंड , लोकगाथा संग्रह
7. भारतीय लोकनाट्य , डॉ. रामकुमार वर्मा
8. लोकनाट्य और परंपरा , डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|

2. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा | प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा|

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 5

CC-A13-भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A13	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	240/HIN/CC513

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न अंगो से परिचित कराना।

भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यागों के क्रमिक विकास और प्रमुख कवियों के योगदान का अध्ययन करना|

पाठ्यक्रम परिणाम:

विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्यांगों के विभिन्न अंगों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तुलना कर विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण निर्मित कर सकेंगे।

पाठयक्रम –

इकाई 1 : काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्व, काव्य के प्रयोजन, काव्य हेतु

इकाई 2 - भारतीय काव्य सिद्धांत- रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत

इकाई 3 प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - प्लेटो का काव्य सिद्धांत,अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, लोंजाइनस का उदात्त तत्व, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, रिचर्ड्स का संवेगों का संतुलन

इकाई 4 : प्रमुख अवधारणात्मक पद - अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद |

सुमन कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय काव्यशास्त्र , डॉ. नगेंद्र
2. काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. रस सिद्धांत, डॉ. रामचंद्र शुक्ल
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र , डॉ. नगेंद्र
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ. रामविलास शर्मा

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न पांच अंक का होगा| पूरा खंड 30 अंकों का होगा|
3. पूरे पाठ्यक्रम से 8 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 5

CC-A14- निबंध साहित्य

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A14	निबंध साहित्य	240/HIN/CC514

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |

हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के जरिए निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम परिणाम :

निबंध लेखन की कला का विकास हो पाएगा |

प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों की विशेषताओं के माध्यम से निबंध और समाज के अंतर संबंधों को समझ पाएंगे।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 :- हिंदी निबंध साहित्य का उद्भव और विकास
हिंदी निबंध के प्रमुख तत्त्व
हिंदी निबंध के विविध प्रकार

इकाई 2 :- निर्धारित निबंध –

1. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - बालकृष्ण भट्ट
2. कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता- महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. मजदूरी और प्रेम- सरदार पूर्ण सिंह
4. कछुआ धर्म - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
5. भारत की सांस्कृतिक एकता - रामधारी सिंह 'दिनकर'
6. चेतना का संस्कार - सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय'
7. साहित्य में चेतनाभिव्यक्ति – डॉ. नगेंद्र
8. सौंदर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास - डॉ.रामविलास शर्मा

इकाई 3 - निर्धारित ललित निबंध -

मुकेश कुमारी

हजारी प्रसाद द्विवेदी- **1.अशोक के फूल**

2.बसंत आ गया है

विद्यानिवास मिश्र - 1. अस्ति की पुकार-हिमालय

2. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ

कुबेरनाथ राय - **1. हरी- हरी दूब**

2. लाचार क्रोध

इकाई 4 : पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधकार के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबंधों के प्रतिपाद्य, भाषा शैली

संदर्भ पुस्तकें :

1) निबंध निकष , संपादक डॉ. रामचंद्र तिवारी, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2) अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3) विद्यानिवास मिश्र , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4) रस आखेटक : कुबेरनाथ राय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,नई दिल्ली

निर्देश:

1) पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|

2) पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|

3) पाठ्यक्रम मे निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|

4) पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक : विशिष्ट लेखक : विकल्प – 1 : उपन्यासकार प्रेमचंद

विशिष्ट लेखक : विकल्प – 2 : नाटककार जयशंकर प्रसाद

विशिष्ट लेखक : विकल्प - 3 : निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक : विकल्प – 1 : उपन्यासकार प्रेमचंद	240/HIN/CC515

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
उपन्यास की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना|
प्रेमचंद और गोदान की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|
पाठ्यक्रम परिणाम :
प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें|
उपन्यासों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम:-

विशिष्ट लेखक : प्रेमचंद (रंगभूमि, गबन)

इकाई 1:- निर्धारित उपन्यास – रंगभूमि (व्याख्या भाग)

इकाई 2 :- निर्धारित उपन्यास – गबन (व्याख्या भाग)

इकाई 3 :- प्रेमचंद के जीवन से संबंधित प्रश्न :- व्यक्तित्व , कृतित्व , पारिवारिक संघर्ष
प्रेमचंद के रंगभूमि उपन्यास मे यथार्थवादी चेतना
प्रेमचंद के गबन उपन्यास मे यथार्थवादी चेतना
प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य

इकाई 4 :- प्रतिपाद्य

चरित्र-चित्रण

युगीन समस्या-निरूपण

गांधीवादी चेतना

संदर्भ पुस्तकें :

1) रंगभूमि ,प्रेमचंद
2) गबन , प्रेमचंद

निर्देश :

1) पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2) पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उपन्यासों में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3) उपन्यासों पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक उपन्यास में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4) पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प 2 : नाटककार जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक : विकल्प – 2 : नाटककार जयशंकर प्रसाद	240/HIN/CC515

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

नाटक की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना|
अजातशत्रु और ध्रुवस्वामिनी नाटक की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेगें |
नाटकों के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 - निर्धारित नाटक- अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद **(व्याख्या भाग)**

इकाई 2 - निर्धारित नाटक- ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद **(व्याख्या भाग)**

इकाई 3 - प्रसाद का जीवन
प्रसाद का नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई 4 – प्रतिपाद्य,चरित्र-चित्रण ,इतिहास और कल्पना का योग ,अभिनेयता
हिंदी नाट्य परंपरा में प्रसाद का योगदान

संदर्भ पुस्तकें :

1) अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद
2) ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य नाटकों में से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. इकाई 3 और इकाई 4 मे निर्धारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 5

विशिष्ट लेखक : विकल्प - 3 : निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A15	विशिष्ट लेखक : विकल्प - 3 : निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल	240/HIN/CC515

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

निबंध की सैधांतिक अवधारणा को समझना|

निबंध की विशिष्टताओं से व्यक्ति और समाज के अंतर्संबंधों को समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

निबंध की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सकेंगे ।

निबंध के माध्यम से समाज और उसकी सरंचना का अध्ययन कर सकेंगे ।

<u>पाठ्यक्रम –</u>

इकाई 1 : - "रामचंद्र शुक्ल" की पुस्तक चिंतामणि - भाग 1 से निर्धारित निबंध :

1. भाव या मनोविकार
2. उत्साह
3. श्रद्धा भक्ति
4. करुणा
5. लज्जा और ग्लानि
6. लोभ और प्रीति
7. ईर्ष्या
8. भय
9. क्रोध
10. कविता क्या है
11. घृणा
12. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

इकाई 2 :

1. आचार्य शुक्ल का जीवन परिचय
2. शुक्ल युग की प्रमुख प्रवृत्तियां
3. आचार्य शुक्ल का निबंध साहित्य

इकाई 3 :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का प्रतिपाद्य और शिल्प
2. हिंदी निबंध परंपरा में शुक्ल का योगदान

इकाई 4 :

1. चिंतामणि" में मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
2. शुक्ल जी के अनुसार साहित्य का उद्देश्य (चिंतामणि के आधार पर)
3. "चिंतामणि" के निबंधों में सामाजिक चेतना का स्वरूप

संदर्भ पुस्तकें :

1. चिंतामणि - भाग एक , रामचंद्र शुक्ल
2. आलोचक रामचंद्र शुक्ल , गुलाबराय एवं विजयेन्द्र स्नातक
3. रामचंद्र शुक्ल : व्यक्तित्व और कृतित्व , हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल , नामवर सिंह
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना ,रामविलास शर्मा
6. आलोचक रामचंद्र शुक्ल, गुलाबराय

निर्देश :

1. इकाई 1 से चार-चार अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को दो-दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 6

CC-A16-निबंध लेखन

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A16	निबंध लेखन	240/HIN/CC616

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
निबंध की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना |
हिंदी निबंध की विविध प्रवृत्तियों के माध्यम से निबंध की विकास यात्रा का अध्ययन करना |
पाठ्यक्रम परिणाम:
निबंध लेखन की कला का विकास होगा।
प्रमुख निबंधों एवं निबंधकारों के माध्यम से निबंध और समाज के अंतर संबंध को समझना|

पाठयक्रम –

इकाई 1 : साहित्यिक निबंध

1. साहित्य और समाज
2. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्या और समाधान
3. समाजसुधारक कबीर
4. लोकनायक तुलसीदास
5. भक्ति काल : स्वर्ण युग

इकाई 2 :- सामान्य निबंध

1. भ्रष्टाचार कारण और निवारण
2. राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान
3. हिंदी का विश्वव्यापी स्वरूप
4. पर्यावरण और हम
5. मानवाधिकार

मुकेश कुमारी

इकाई 3 : सूक्तिपरक निबंध

1. अहिंसा परमो धर्म:
2. नर हो न निराश करो मन को
3. दादा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया
4. मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
5. निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
6. दैव दैव आलसी पुकारा

इकाई 4 : ललित निबंध

1. प्रकृति और ऋतुओं पर
2. समाज और जीवन पर
3. संस्कृति और परंपरा पर
4. भावनात्मक एवं कल्पनात्मक विषय
5. समकालीन विषय
6. साहित्यिक एवं चिंतनपरक विषय

निर्देश:

पूरे पाठ्यक्रम में से चार निबंध पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो निबंध लिखने होंगे | प्रत्येक निबंध 35 अंक का होगा| पूरा प्रश्न **70** अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 6
विशिष्ट कवि-कबीरदास, सूरदास, बिहारी, निराला , अज्ञेय

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- कबीरदास	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
कबीर का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझाना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
मध्यकालीन हिंदी कविताओं की समझ विकसित होगी।
कबीर के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित होगी|

पाठ्यक्रम:

इकाई 1: कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ. श्यामसुंदर दास
निर्धारित साखी :- गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, विरह कौ अंग ,चितावणी कौ अंग|

इकाई 2 :- कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ. श्यामसुंदर दास
निर्धारित पद :
पद- 1,2,3, 11, 21,23,24, 32, 33, 34, 37, 38, 39, 40, 41, 42 ,43, 44, 45, 46, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56,57, 60, 61, 63,64, 65,78, 80, 84, 89,91, 92,99,100, 111, 113,114,117, 120, 129,150
इकाई 3 :-
कबीर का युग
कबीर का जीवन
कबीर का साहित्य
कबीर की भाषा
कबीर का कला पक्ष

सुकेश कुमारी

इकाई 4 -

कबीर की सामाजिक चेतना

कबीर की दार्शनिक चेतना

कबीर का मानवतावादी दृष्टिकोण

कबीर की भक्ति भावना

कबीर का रहस्यवाद

संदर्भ पुस्तकें :

1. कबीर ग्रंथावली, संपादक डॉ. श्यामसुंदर दास
2. कबीर , हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. कबीर और उनका काव्य ,भोलानाथ तिवारी
4. कबीर : व्यक्तित्व और कृतित्व ,परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर और भारतीय संत साहित्य, रामचंद्र तिवारी
6. कबीर का सामाजिक दर्शन ,राजदेव सिंह
7. कबीर : आधुनिक संदर्भ में , पुरुषोत्तम अग्रवाल

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 8 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 3 और इकाई 4 में से पांच दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्यक्रम मे निर्धारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि - सूरदास

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- सूरदास	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

मध्यकालीन हिंदी कविताओं की विशेषताओं से अवगत कराना|

सूरदास का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

सूरदास की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थी कृष्ण-काव्यधारा से परिचित होंगे।

सूरदास के वात्सल्य वर्णन एवं गीति योजना की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : निर्धारित पाठ्य पुस्तक- सूरदास- भ्रमरगीत सार, संपादक - रामचंद्र शुक्ल

(पद संख्या – 21 से 121 – कुल 101 पद)

इकाई 2 -

'भ्रमरगीत सार' विरह काव्य की उत्कृष्ट रचना है

'भ्रमरगीत सार' में उद्धव के ज्ञान और गोपियों की भक्ति का तुलनात्मक विवेचन

भ्रमरगीत सार' में निहित भक्ति-भावना

इकाई 3 -

सूर का युग,सूर का जीवन

सूर का साहित्य

सूर का वात्सल्य वर्णन

इकाई 4 -

सूर का श्रृंगार वर्णन

सूर का प्रकृति चित्रण

सूर की गीति योजना

सूर की काव्य-भाषा

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तक :

सूरदास- भ्रमरगीत सार, संपादक - रामचंद्र शुक्ल

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| | प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सुषमा कुमारी

सेमेस्टर – 6
विशिष्ट कवि - बिहारी

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- बिहारी	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
मध्यकालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|
बिहारी का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|
पाठ्यक्रम परिणाम :
बिहारी की रचनाओं के अध्ययन से अलंकारों और श्रृंगार के महत्व को समझेंगे।
बिहारी के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 - निर्धारित पाठ्य पुस्तक -बिहारी रत्नाकर ,संपादक - जगन्नाथ दास "रत्नाकर"(दोहे 1 -100 तक)

इकाई 2 - बिहारी की बहुज्ञता
बिहारी का काव्य सौष्ठव
बिहारी का सौन्दर्य चित्रण

इकाई 3- बिहारी की श्रृंगार भावना
बिहारी काव्य का कला एवं भाव पक्ष

इकाई 4 - बिहारी काव्य मे प्रकृति चित्रण
बिहारी काव्य में अलंकार योजना
बिहारी काव्य में भाषा का स्वरूप

सुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. बिहारी रत्नाकर ,संपादक जगन्नाथ दास ''रत्नाकर''
2. कविवर बिहारी , विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. बिहारी , डॉ. रामकुमार वर्मा
4. बिहारी की वाग्विभूति ,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन , बच्चन सिंह

निर्देश :-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित इकाई 1 में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्य पुस्तक तथा उस पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा| प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा|

सेमेस्टर – 6

विशिष्ट कवि - निराला

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि-निराला	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

आधुनिक हिंदी कविताओं की विशेषताओं से अवगत कराना|

निराला का काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान समझना|

पाठ्यक्रम परिणाम :

निराला की रचनाओं से साहित्यिक समझ विकसित होगी।

निराला के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम:-

इकाई 1 - विशिष्ट कवि: निराला की चयनित कविताएँ

1) जूही की कली
2) भिक्षुक
3) वह तोड़ती पत्थर
4) संध्या सुंदरी
5) बादल राग
6) राम की शक्ति पूजा
7) सरोज-स्मृति
8) कुकुरमुत्ता
9) स्नेह निर्झर बह गया है
10) नये पत्ते

मुकेश कुमारी

इकाई 2 -

निराला का युग

निराला का जीवन

निराला की काव्य-कृतियां

निराला बहुवस्तु स्पर्शिनी प्रतिभा के कवि

इकाई 3 -

निराला की राष्ट्रीय चेतना

निराला का मानवतावादी दृष्टिकोण

निराला की प्रगतिशील चेतना

निराला की लंबी कविताएं : संवेदना और शिल्प

इकाई 4 -

निराला की गीति योजना

निराला की काव्य भाषा

निराला का मुक्त छंद

निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

संदर्भ पुस्तकें :

1. निराला : राग- विराग, सं रामविलास शर्मा
2. निराला की साहित्य साधना (तीन खंड) - डॉ. रामविलास शर्मा
3. महाप्राण निराला - गंगा प्रसाद पांडेय
4. निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
5. निराला - निर्मला जैन
6. निराला: व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ. रामविलास शर्मा

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से 6 अवतरण दिए जाएंगे| इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी| प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी| पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा|
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना| प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा|
3. पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा | प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है| पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा|
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर – 6
विशिष्ट कवि – अज्ञेय

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A17	विशिष्ट कवि- अज्ञेय	240/HIN/CC617

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

आधुनिककालीन हिंदी कविता की विशेषताओं से अवगत कराना|

आधुनिककालीन हिंदी कविता के काव्य-वैशिष्ट्य और योगदान को समझाना |

पाठ्यक्रम परिणाम :

अज्ञेय की रचनाओं से समाज की समझ विकसित होगी।

अज्ञेय के साहित्यिक योगदान और समसामयिक परिस्थितियों की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – अज्ञेय की प्रमुख चयनित कविताएँ:-

1) हरी घास पर क्षण भर
2) असाध्य वीणा
3) नदी के द्वीप
4) यह दीप अकेला
5) साँप
6) कलगी बाजरे की
7) शरणार्थी
8) मैं वहाँ हूँ
9) नाच
10) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ

इकाई 2 -

अज्ञेय का जीवन
अज्ञेय का युग
अज्ञेय की काव्य-कृतियां

मुकेश कुमारी

इकाई 3-

प्रयोगवादी काव्य परंपरा में अज्ञेय

निर्धारित कविताओ मे संवेदना और शिल्प

अज्ञेय की काव्य संवेदना

इकाई 4-

अज्ञेय का प्रकृति वर्णन

अज्ञेय की काव्य भाषा

अज्ञेय का शिल्प विधान

संदर्भ पुस्तकें :

1) अज्ञेय , संपादक विद्यानिवास मिश्र
2) **अज्ञेय और नई कविता** , नंदकिशोर नवल
3) **अज्ञेय : व्यक्तित्व और कृतित्व** , ओम प्रभाकर
4) **अज्ञेय का काव्य संसार** , रामस्वरूप चतुर्वेदी
5) **अज्ञेय की काव्य चेतना** , विश्वनाथ त्रिपाठी
6) **प्रयोगवाद और अज्ञेय** , नामवर सिंह
7) **नई कविता के प्रतिमान** , नामवर सिंह
8) **आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ** , नगेन्द्र
9) **अज्ञेय की काव्य भाषा** , विद्यानिवास मिश्र
10) **अज्ञेय का शिल्प विधान** , रामविलास शर्मा

निर्देश :

1. इकाई 1 में से 6 अवतरण दिए जाएंगे। इनमें से परीक्षार्थियों को 4 अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 21 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघुत्तरी प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक – एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 9 अंक का होगा।

सेमेस्टर – 6

CC-A18-हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course Code	Course Title	Course ID
CC-A18	हिंदी का सृजनात्मक एवं प्रयोजनमूलक स्वरूप	240/HIN/CC618

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
छात्रों को भाषीय संप्रेषण की समझ विकसित होगी।
संप्रेषण और संभाषण के आयाम, उसके महत्त्व और संस्कृति की समझ विकसित होगी।
पाठ्यक्रम परिणाम:
भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत होंगे।
व्यावहारिक हिंदी एवं रचनात्मक लेखन से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1: व्यावहारिक हिंदी -
भाषा व्यवहार,सरकारी पत्राचार
टिप्पणी तथा मसौदा लेखन
सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र- लेखन

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन –
हिंदी भाषा में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति
अर्थ निर्मिति के आधार - शब्दार्थ मीमांसा, शब्द के प्राक – प्रयोग, नव्य प्रयोग, भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय वर्ग- सापेक्ष, समूह सापेक्ष

इकाई 3 : विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन –
1) कविता : संवेदना काव्य रूप,भाषा-सौष्ठव, छंद , लय, गति व तुक , कथा साहित्य, वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म।
2) निबंध : विषय-विस्तार ,भाषा-शैली, अभिव्यक्ति-कौशल, तर्क, भाव एवं वैचारिकता।

सुकेश कुमारी

3) संस्मरण : आत्मानुभूति, स्मृतियों का चित्रण, व्यक्ति एवं परिवेश, संवेदनात्मक अभिव्यक्ति, भाषा की आत्मीयता और अनुभव-वर्णन।

4) व्यंग्य : सामाजिक विसंगतियों का चित्रण, हास्य-व्यंग्य तत्व, भाषा की तीक्ष्णता, शैलीगत प्रभाव, यथार्थ-बोध एवं आलोचनात्मक दृष्टि।

इकाई 4: सूचना तंत्र के लिए लेखन -

1) प्रिंट माध्यम : पुस्तक समीक्षा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

2) बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

संदर्भ पुस्तकें :

1. रचनात्मक लेखन , सं रमेश गौतम, माधुरी सुबोध
2. जनसंचार और रचनात्मक लेखन , डॉ आलोक रंजन पांडे
3. हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा , डॉ श्री प्रसाद

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निश्चित है| पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा|
2. पूरे पाठ्यक्रम में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा| प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा| पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा|
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे| प्रत्येक प्रश्न एक- एक अंक का होगा| पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा|